Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

Estd. 1861

BOYS' HIGH SCHOOL AND COLLEGE
FINAL TERM EXAMINATION (2024-25)
CLASS - IX
HINDI

TIME- 3 hrs **M.M.-80**

This paper comprises two sections- section A and Section B.

Attempt all the questions from section A. Attempt any four questions from Section B answering at least one question each from the two books you have studied and any two questions from the same books you have studied.

Section A (40 marks)

Attempt all Questions

Question-1

निम्नलिखित विषयो मे से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:– **[15]**

(i) "धूम्रपान वर्जित है"। सिगरेट के हर पैकेट पर लिखा होता है– सिगरेट पीने से कैंसर होता है। जानने के बावजूद लोग सिगरेट पीते है। विषय में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ii) खेल मानव जीवन का विशेष अंग है खेल किस प्रकार मानव के शारीरिक तथा मानसिक विकास मे सहायक है स्पष्ट कीजिए।

(iii) प्रयागराज मे लगने वाले कुम्भ मेले का ऑखो देखा वर्णन कीजिए।

(iv) आपके जीवन का क्या लक्ष्य है उसे हासिल करने के लिए आप क्या प्रयास कर रहे है। प्रकाश डालिए।

(v) प्रस्तुत चित्र को आधार बनाकर कोई घटना, लेख अथवा कहानी लिखिए। जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से हो।

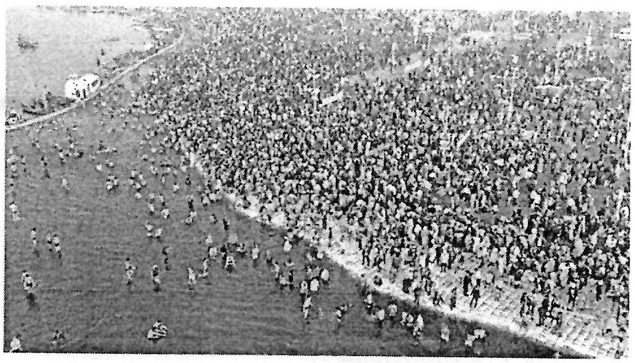

Question-2

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी मे लगभग 120 शब्दो में पत्र लिखिए। **[7]**

(i) प्रधानाचार्य महोदय ने आपको छात्रवृत्ति देकर आपकी पढ़ाई मे सहयोग दिया है अतः आप उनको पत्र लिखकर धन्यवाद दीजिए।

अथवा

(ii) छुट्टियो में आपके पिता घुमाने के लिए आपको किसी पर्वतीय स्थान पर ले जा रहे है पत्र लिखकर अपनी प्रसन्नता जाहिर कीजिए।

Question-3

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नो के उत्तर दीजिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दो मे होने चाहिए। **[10]**

अपनी बुद्धि, विवेक और सूझबूझ के कारण मनुष्य संसार का सबसे उत्तम प्राणी है। अपने भविष्य को सुखी बनाने के लिए उसका बहुत अधिक जागरूक होना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से यह आवश्यक है कि वह आय–व्यय मे उचित तालमेल रखे। तभी तो तेते पॉव पसारिए जेती लॉबी सौर वाली कहावत बड़ी सार्थक है। भविष्य को सुखमय बनाने के लिए यह आवश्यक है कि आय का एक अंश नियमित रूप से बचाया जाए जिससे आगे आने वाली आवश्यकताओ की पूर्ति सरलता से हो सके। इस तरह सीमित खर्च करने वाला व्यक्ति मितव्ययी कहलाता है। अनावश्यक व्यय करके जो व्यक्ति धन का दुरूपयोग करता है वह फिजूलखर्च माना जाता है। वास्तव मे मितव्ययिता ही बचत और संचय की कुंजी है। यह अनेक बार कहा गया है कि कोई व्यक्ति कमाने से नही बचाने से धनी बनता है।

मनुष्य के जीवन मे जो आदते बचपन मे पड़ जाती है, वे किसी न किसी रूप मे जीवन भर बनी रहती है। इसलिए बचपन से ही मितव्ययिता और बचत की आदतो का विकास आवश्यक है। बालक तो अपने जेब

खर्च के लिए मिले धन से भी बचत करते है। पैसा बचाकर अपनी अपनी गुल्लक जल्दी–जल्दी भरने की उनमे होड़ लगी रहती है। कहा भी गया है कि एक–एक बूंद से घड़ा भरता है और एक–एक पैसा एकत्र करने से धन संचय होता है अतः बालको को ऐसी प्रेरणा की आवश्यकता है जिससे वे नियमित रूप से बचत करने की आदत डालें और अपने लिए अनुकूल योजना को अपनाकर धन–संचय करते रहे।

(i) मनुष्य को संसार का सबसे श्रेष्ठ प्राणी क्यो कहा जाता है?

(ii) भविष्य को सुखमय बनाने के लिए क्या आवश्यक है?

(iii) 'मितव्ययी' किसे कहते है? बचत और संचय की कुंजी क्या है?

(iv) फिजूलखर्ची क्या है? फिजूलखर्ची रोकने के लिए आप क्या कर सकते है?

(v) बूँद–बूँद से घड़ा भरता है' अथवा तेते पॉव पसारिए जेती लॉबी सौर कहावत का अर्थ समझाइए? आप अपने जीवन मे इसको कैसे सार्थक बना सकते है?

Question-4

निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए– **[8]**

(1) "खंडन" का विलोम शब्द बताइए–

(a) विखंडन (c) मंडन

(b) खंड–खंड (d) विभाजन

(2) देव का पर्यायवाची बताइए–

(a) साधु–मनुष्य (c) निर्जर–दानव

(b) देवता–सुर (d) वृंदारक–कमान

(3) पत्थर शब्द का विशेषण बताइए–

(a) पथरी (c) पत्थरीला

(b) पथरीला (d) पथरेला

(4) भक्त की भाववाचक बताइए–

(a) भक्ति (c) दास

(b) भक्तिपन (d) दासता

(5) नाक रगड़ना मुहावरे का अर्थ बताइए–

(a) खुशामद करना (c) लालच करना

(b) प्रयास करना (d) नष्ट करना

(6) 'अभिस्ट' का शुद्ध रूप लिखिए–

(a) अभीष्ठ (c) अभिष्ट

(b) आभीष्ट (d) अभीष्ट

(7) वार्ता वचन बदलिए–

(a) वार्तालाप (c) वार्ताए

(b) वार्ताएँ (d) वर्ताओ

(8) रवि कल बाजार गया था (भविष्यत काल मे परिवर्तन कीजिए)

(a) रवि कल बाजार जाएगा। (c) शायद कल रवि बाजार जाए।

(b) रवि कल बाजार जा रहा था। (d) रवि कल बाजार जा रहा था।

Section B (40 marks)

(खण्ड ख)

इस खण्ड मे केवल चार प्रश्नो के उत्तर दे।

Question-5

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए–

हालदार साहब जब पहली बार इस कस्बे से गुजरे और चौराहे पर पान खाने रूके, तभी उन्होने इसे लक्षित किया और उनके चेहरे पर एक कौतुक भरी मुसकान फैल गई।

–नेता जी का चश्मा (स्वयं प्रकाश)

(i) पहली बार कस्बे से कौन गुजरा तथा उसने किस बात का अनुभव किया? **[2]**

(ii) किसके चेहरे पर एक कौतुक भरी मुसकान फैल गई तथा क्यो? **[2]**

(iii) मूर्ति के विषय मे सोचते हुए वे किस निष्कर्ष पर पहुँचे? स्पष्ट कीजिए। **[3]**

(iv) मूर्ति के रंग–रूप या कद के महत्व के बजाय किसका महत्व अधिक होता है? **[3]**

Question-6

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर दीजिए–

मैने देखा कि कुहरे की सफेदी में कुछ ही हाथ दूर से एक काली-सी मूर्ति हमारी तरफ आ रही थी।

– (अपना–अपना भाग्य–जैनेन्द्र)

(i) मित्र के इशारा करनें पर लेखक ने क्या देखा और क्या कहा? **[2]**

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

(ii) यहाँ पर किस बालक के सन्दर्भ में कहा गया है? उस समय उसकी क्या स्थिति थी? [2]

(iii) पहाड़ी बालक के सामने कौन–सी समस्या थी? क्या उस बालक की समस्या का हल हो पाया यदि नही तो क्यो? [3]

(iv) इस कहानी के माध्यम से लेखक ने हमे क्या संदेश देना चाहा है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। [3]

Question-7

वह सोचता, "यहाँ इतने सालो से हूँ। अमीर लोग नौकरो पर विश्वास नही करते, किंतु मुझ पर यहाँ कभी किसी ने संदेह नहीं किया।

– ('बात अठन्नी की'– सुदर्शन)

(i) वह शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है। वह क्या सोचा करता था? [2]

(ii) रसीला के घर की स्थिति का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। [2]

(iii) रसीला कौन था? वह इंजीनियर बाबू के यहाँ नौकरी क्यों नही छोड़ना चाहता था? [3]

(iv) रसीला का चरित्र चित्रण कीजिए? [3]

Question-8

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए–

मेद्य आए बड़े बन–ठन के सँवर के।
आगे–आगे नाचती–गाती बयार चली,
दरवाजे–खिड़कियाँ खुलने लगी गली–गली,
पाहुन जो आए हो, गाँव मे शहर के।
मेद्य आए बड़े बन ठन के सँवर के।

– साखी (कबीरदास)

(i) मेद्य कहाँ आए हुए है? मेद्यो को देखकर कवि को क्या प्रतीत हो रहा है? [2]

(ii) 'बयार' शब्द से आप क्या समझते है? कवि इसके बारे मे क्या बताना चाहता है? [2]

(iii) दरवाजे–खिड़कियाँ क्यो खुलने लगे है? किसका स्वागत किस प्रकार कहाँ किया जाने लगा है? [3]

(iv) कविता का केंद्रीय भाव अपने शब्दो में स्पष्ट कीजिए? [3]

Question-9

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए–

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की
बरस बाद सुधि लीन्हीं
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की,
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
मेद्य आए बड़े बन–ठन के सँवर के।

(i) बूढ़े पीपल को किसकी संज्ञा दी गई है? उसने आगे बढ़कर क्या किया? [2]

(ii) मेद्य की समानता किससे की गई है? वे कहाँ कितने समय बाद आए है? [2]

(iii) लता ने बादलो को क्या कहकर उलाहना दिया और क्यो? [3]

(iv) निम्नलिखित शब्दो के अर्थ लिखिए– [3]

1. जुहार 2. सुधि 3. किवार 4. ओट 5. बरस 6. ताल

Question-10

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए–

सॉई सब संसार में, मतलब का व्यवहार।
जब लग पैसा गाँठ में, तब लग ताको यार।।
तब लग ताको यार, यार संग ही संग डोले।
पैसा रहे न पास, यार मुख से नहिं बोले।।
कह 'गिरिधर कविराय', जगत यहि लेखा भाई।
करत बेगरजी प्रीति, यार बिरला कोई सॉई।।

(i) कवि ने संसार में किस प्रकार का व्यवहार बताया है? [2]

(ii) स्वार्थी मित्र कब तक साथ बना रहता है? [2]

(iii) 'करत बेगरजी प्रीति' यार बिरला कोई सॉई' से कवि का क्या तात्पर्य है? [3]

(iv) प्रस्तुत पंक्तियों का सार स्पष्ट कीजिए। [3]

****

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE